नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में मातृभाषा दिवस का आयोजन

21 फरवरी को मनाया जाएगा मातृभाषा दिवस

वर्धा, 17 फरवरी 2017: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से 21 फरवरी को मातृभाषा दिवस मनाया जाएगा। इस उपलक्ष्य में विवि के ग़ालिब सभागार में 'वैश्वीकरण के दौर में मातृभाषा : चुनौतियां और महत्व' विषय पर निबंध लेखन, 'उच्चशिक्षा का माध्यम मातृभाषा : आवश्यकता और चुनौतियां' विषय पर वक्तृत्व प्रयोगिताएं आयोजित की जाएंगी। अन्य कार्यक्रमों में पेंटिंग, गायन, नृत्य, कविता पाठक तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों का वितरण एवं समापन कार्यक्रम 22 फरवरी को 3.00 बजे किया जाएगा। प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रमों में सहभागी होने की अपील कार्यक्रम निदेशक तथा भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने की है।

हिंदी विश्वविद्यालयात मातृभाषा दिनाचे आयोजन

वर्धा, 17 फेब्रुवारी 2017: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार तसेच केंद्रीय अनुदान आयोगाच्या निर्देशानुसार भाषाविज्ञान आणि भाषा तंत्रज्ञान विभागाच्या वतीने मंगळवार, 21 फेब्रुवारी रोजी मातृभाषा दिनाचे आयोजन करण्यात आले आहे. या निमित्ताने गालिब सभागृहात सकाळी 10.30 पासून 'वैश्वीकरण के दौर में मातृभाषा : चुनौतियां और महत्व' विषयावर निबंध लेखन, 'उच्चशिक्षा का माध्यम मातृभाषा : आवश्यकता और चुनौतियां' विषयावर वक्तृत्व स्पर्धा घेण्यात येईल. इतर कार्यक्रमांमध्ये पेंटिंग, गायन, नृत्य, कविता वाचन आणि प्रदर्शनीचे आयोजन करण्यात येत आहे. स्पर्धांचे पुरस्कार वितरण आणि समारोप कार्यक्रम 22 रोजी दुपारी 3.00 वाजता होईल. कार्यक्रमात सहभागी होण्याचे आवाहन कार्यक्रम निदेशक तथा भाषाविज्ञान आणि भाषा तंत्रज्ञान विभागाचे अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पांडे यांनी केले आहे.